थारु भाषाके वार्षिक

घोराही नगर पोष्टा

प्रकाशक (नगर पोष्टा छपुइया)

घोराही उपमहानगरपालिका, दाङ्ग

सहकार्य व समन्वय करुइया

लौव अग्रासन, थारु पत्रकार संघ दाङ्ग

नगर पोष्टा बनुइया

समाजका लागि सञ्चार पैरवी नेपाल

संरक्षकः- नरुलाल चौधरी

सम्पादक मण्डलः- सन्तोष दहित, नविन चौधरी

व्यवस्थापनम सखुइयाः- नगेन्द्र चौधरी, विष्णु कुसुम, सर्मिला चौधरी

सम्पादकीय

थारू भाषाम नगर पोष्टा: घोराहीके ऐतिहासिक पहल

नेपाल बहुजातीय, बहुभाषिक, बहुधार्मिक, बहुसाँस्कृतिक तथा भौगोलिक विविधतासे भरल देश हो । राष्ट्रिय जनगणना २०७८ के अनुसार नेपालम जातजातिके संख्या १४२ बा कलसे मातृभाषाम बोल्ना संख्या १३३ बा । मातृभाषा हमार पहिचान हो । मातृभाषा कलक् मनैया जन्मटिकी सब्से पहिला बोल्ना ओ सिक्ना भाषाह कैजिठा । उहमार मातृभाषा हमारलाग बहुट मत्हव बा । भाषा सशक्त माध्यम हो । ओत्रकेल निहोख हमारलाग भाषा एक्ठो बराभारी ज्ञान, सीप व कला फेन हो । हरेक काम भाषाके माध्यमसे हुइठा । चाहे बोल्ख होस या इशाराले । उहओर्से भाषा हमारलाग बहुट महत्व साधन हो । सक्कु भाषाके आ-आपन ठाउँम महत्व बा । भाषा विना कौनो काम करसेक्ना संम्भव निहो ।

नेपालम बोल्जिना सक्कु मातृभाषा राष्ट्रभाषा हो कैख नेपालके संविधान २०७२ के धारा ६ म उल्लेख कैगिल बा । उह संविधानह टेक्क आब प्रदेश सरकार ओ स्थानिय सरकारसे मातृभाषाह सरकारी कामकाजिकके भाषा बनैनाम लागल बाट । भाषा आयोगके सिफारिसके आधारम निश्चित मापदण्ड पुगाख मातृभाषाके संरक्षण व प्रर्वद्धनके लाग सरकारसे हर संम्भब कोशिस कर्टि आइल बा ।

यिह विचम घोराही उपमहानगपालिका थारु भाषाह सरकारी कामकाजिके भाषा बनैल बा । खासकैख घोराहीके मेयरम नरुलाल चौधरी निर्वाचित होख आइलपाछ उहाँके सक्रियताले थारु भाषाह सरकारी कामकाजिके भाषा बनागिल हो । घोराही उपमहानगरपालिकाके प्रोफाइलके आधारमा हेर्ना हो कलसे २०७८ के जनगणनाके दृष्टिकोणले ७२.५ प्रतिशत नेपाली, २१.२ प्रतिशत थारु व २.४ प्रतिशत मगर खाम भाषा बोल्ना कर्ठ । यि आधारले फे घोराही उपमहानगरपालिकासे थारु भाषाह सरकारी कामकाजि भाषा बनैलक हो । ओस्टक घोराही उपहानगरपालिकासे थारु भाषा, साहित्य ओ कला, संस्कृतिके संरक्षण ओ प्रवद्धनके लाग मेरमेह्रिक काम कर्टि आइल अवस्थाफे बा । यी काम कर्टिरहल ब्याला घोराही उमहानगरसे थारु भाषक नगर पोष्टा (नगर बुलेटीन) निकर्ना जौन कामके सुरुवात कैल बा । यी काम थारु समुदायके लाग एक्ठो बरवार भारी काम हो । एक्ठो सकारी निकायसे थारु भाषक नगर पोष्टा प्रकाशन कर्ना कलक एक लौव अध्यायके सुरुवात हो । घोराही उपमहानगरपालिकाके ऐतिहासिक पहल हो ।

असिन लौव अध्यायके कामह सफल बनाइलाग घोराही उपमहानगरपालिकासे हमन जिम्मेवारी डिहल बा । हम्र आपन क्षमता, दक्षता पुगाइटसम सक्कु मैगर पाठक कबिलाहुकनके बिचम पहिला प्रयासम थारु भाषक नगर पोष्टा (नगर बुलेटीन) अन्लबाटी । यी पहिला प्रयासम अवस्य फे सक्कु विषयवस्तु सम्याट निस्याकल हुइटी कना हमन फे लागल बा । यदपी आपनओर्से हम्र हरसम्भब मजा बनैना कोसिश कर्लबाटी । यी पोष्टा पहर्ख टिटमिठ जसिन बा ओस्टह रचनात्मक सल्लाह सुझावके अपेक्षा कर्ल बाटी ।

जय गुर्वावा !

म्वार सन्देश

नरुलाल चौधरी
नगर प्रमुख

दाङ थारु हुकन्हक बाहुल्यता रहल जिल्ला हो । यहाँ बैठ्ना मेरीक–मेरीक जातजाती मसे थारु समुदाय दाङ जिल्लाह और गुल्जार बनैल बाट । खासकैख घोराही उपमहानगरपालिकाम थारुन्हक बसोबास और बल्गर बा ।

थारु समुदायसे जोर्गिल छन्–छन्दिक रिटभाँट, संस्कृति, परम्परा, भाषा ओ आपन छुट्ट मेह्रिक भेषभुषा रहल बा । ज्याकरकारणसे थारु समुदाय नेपालम केल निहोक विश्वभर चिन्नैल बाट । थारु समुदायके संस्कृति, भाषा देशके लाग एकठो बल्गर पहिचान फे हो । यी कारणसे हम्र संस्कृति, भाषाके प्रर्वद्धन सँग विकास कर्ना फेन जरुरी बा ।

नेपालम संघियता कार्यान्वय हुईल पाछ, अर्थात् देशम संविधान घोषणा हुईल पाछ सक्कु जातजाति हुकन्हक भाषा, संस्कृति, कलाह संरक्षण, प्रर्वद्धन ओ विकास कर्ना काम हुईल बा । म्वार कार्यकालसे आम्हि ढेर छन्–छन्दिक रिटभाँट, संस्कृति, परम्परा ओ भाषाह आघ बह्रैना काम घोराही उपमहानगरपालिकाम हुईल बा । थारु समुदायके भुइह्याथान बनैना, बर्कानाचके दस्तावेज कर्ना, माघ महोत्सव लगायत ढेर कामके सुरुवात हम्र कर्ल बाटी । अत्रकेल नाही थारु भाषाह सरकारी कामकाजी भाषा बनैना काम दाङ जिल्लाम सबसे पहिल घोराही उपमहानगरपालिका कर्ल रह । याकरण कारणसे संख्यात्मक रुपम थारु भाषाम काम आघ बह्रैना मनै कम रलसेफे कुछु हद सम्म थारुभाषी हुकन काममू सहज हुइल बाटन् । याकर सँग–सँग घोराही उपमहानगरपालिका कक्षा १ ठेसे ५ कक्षा सम थारु भाषाम पह्रैना काम सुरुवात कैराखल । याकरलाग थारु भाषाम पाठ्यक्रम बैना ओ किताब बनैना काम फे हुइल बा । यी नेपालके एकठो नमुना काम हो ।

अक्खन थारु भाषाम घोराही नगर पोष्टा निक्रैना कामके गोरीं डर्ल बाटी । । यी काम थारु समुदायके लाग एक्ठो बरवार भारी काम हो । थारु भाषा बोल्ना हुकनके लाग घोराही नगर पोष्टा साझा फुलच्या बन्ने बा कना हम्र आश कर्ल बाटी । वास्तवम थारु भाषा बेल्सना मनै कम हुइटी रहल ब्याला यी पोष्टासे थारु भाषाके संरक्षण ओ विकासम बल्गर भुमिका खेल्ने बा । ओस्टक थारु भाषामसे आम थारु समुदाय हुकन हर सूचनाके पहँचम पुगैना जरुरी रहल ब्याला यी पोष्टासे सक्कुजहन संघियताके महशुस करैने बा ।

अक्खन देश समृद्धिके डगरम बा । समृद्धि आर्थिक पक्ष बल्गर होक केल निहुइट । जब सामाजिक, सांस्कृतिक, भाषिक, शैक्षिक लागयत मनैन्के व्यवहार पुर्ण हुइट टबकेल समृद्धिके महशुस हुइट । उहमार घोराही उपमहानगरपालिका हर कामह गुड्गर बनाइकलाग काम कर्टी बा । आम्ही घोराही उपहानगरपालिकाके योजनाह बल्गर ओ मल्गर बनाइपर्ना जरुरी बा । सहयोग पुगैना सक्कु मैगर कबिला हुकन धन्यवाद बा ।

गाउँ गाउँम पक्की कुल्वा, किसानके अन्हवारम खुशी

घोराही उपमहानगरपालिका वडा नं ७ सिसहनियके बेझलाल चौधरी उमेरले ७७ बरष पुग्ल। तिस बरष आघ कन्ढ्यम फ्वा बोक्ख कुल्वक झराली लाग गैलक दिन आज जसिन लग्ठन। अक्खन समय फेर्गिल बा। आजकाल गाउँ गाउँम पक्की कुल्वा बनल डेख्ख महि बहुट चौकस लागल बा, असिन सुखके दिन आइ जसिन महिन निलागल रह, ट असिन दिनफे अइना रैछ –उहाँ कल ।' जुन गाउँ जाँइबेर फेन पक्की कुल्वा बनल डेक्ख स्थानिय सरकार हुक्र मजा काम कर्टी रलक चौधरीक कहाइ बाटन्।

"बर्खा अैना एक महिना आघ फ्वा लेक कुल्वक झराली जाए पर, आजकाल पहिल जसिन महिना दिनसम्म झराली जाइ निपरट, उ समस्यासे मुक्ती मिलल बा –उहाँ कल। १० वरषके उमेरसे खेती किसानीम लग्नु, टबसे झराली गैलक ठाहाँ पैठु, स्थानीय सरकारले पक्की कुल्वा बनाडिहलपाछ आब झराली जाइनिपरट।'

ओस्टक घोराही ६ लख्वारके निमबहादुर चौधरीफे सिचाइके लाग गाउँगाउँम पक्की कुल्वा बनलपाछ पहिल जसिन सद्द कुल्वा बान्ह जैना, झार जैना, मुह्रा बान्ह जैना दुःख हट्लक बटोइल। 'हम्र पहिल जसिख दुःख करी, आब वसिन दुःख निहो, उ दुःख हमार छावा, नट्यन फे निपैना हुइल –उहाँ कल। हम्र त फ्वा, गैंटी, बेल्चाले काम करी, फ्वा लेक कुल्वा झार व कुल्वा बान्ह जाइ, ट आब स्थानीय सरकार आइलपाछ हमन बहुट सुख हुइल बा चौधरी आघ ठप्ल।

ओस्टक घोराही उपमहानगरपालिका वडा नं १७ गुलरियाके किसान सिताराम चौधरी फे स्थानीय सरकारसे पक्की कुल्वा व नाला बना डिहलपाछ पहिल जस्ट महिना दिनसम मुरा बहन्ना, कुल्वा झर्ना झराली जैना बाध्याता हट्लक बटोइल। पहिल पहिल एक महिनासे डेढ महिनासम कुल्वा, मुरा, भस्ना बहन्ना, झराली जाइ पर्ना दुःख सक्कु बिस्रैटी रलक उहाँके कहाइ बाटन्।

यी ट घोराही उपमहानगरपालिका वडा नं ६, ७ व १७ के केल उदाहरण हो। असिख घोराही उपमहानगरपालिकासे सिचाइके लाग सक्कु वडाम पक्की कुल्वा बनैना काम हुईटी बा। यी पालिकाम बैठ्ना किसान हुकन्हक मुख्य पेशा कृषि हुइलकओर्से किसानहुकन्हक खेतियोग्य जमिनसम सिचाँइ पुगाइकलाग पक्की कुल्वा बनैना काम हुइटी रलक घोराही उपमहानगरपालिकाके नगरप्रमुख नरुलाल चौधरी बटोइल। 'कृषिके विकास हुइलसेकेले दाडके समृद्धि हुइना हुइलकओर्से घोराही उपमहानगरपालिकासे किसान हुकन्हक हित हुइना मेह्रीक काम जस्ट सिचाँइ सुविधा, आधुनिक यन्त्रके अनुदानम वितरण, व विया डेटी आइल बाटी'– उहाँ कल।

❖❖❖

दर्जनसे ढेर थारू भाषक पोस्टा प्रकाशन

घोराही उपमहनगरपालिकाके आर्थिक सहयोगम थारु भाषा, कला, संस्कृतिसे जोर्गिल दर्जनसे ढेर पोष्टा प्रकाशन हुइल बा।

थारु कल्याणकारिणी सभा, लौव अग्रासन साप्ताहिक सहित थारु संघसस्थाके समन्वयम थारु जातिके भाषा, कला, संस्कृतिके संरक्षण व प्रर्वद्धन कर्ना उद्देश्यले मेरमेह्रिक गीतबाज, कला, संस्कृति व चाडपर्वके बारेम पोष्टा बनैलक घोराही उपमहानगरपालिकाके

सूचना अधिकृत भिमबहादुर चौधरी जनैल। उहाँके अनुसार लौव अग्रासन साप्ताहिके समन्वयम थारु समुदायक भोजहा गीत, माघम गैना ढुमरु गीत, पस्रा, थारु समुदायके कला, संस्कृति झल्कना फोटु विशेष थारु फोटु पोस्टा प्रकाशन हुइल बा। ओस्टक मांगर, बर्कीमार गीत खिच्क युट्यूबम फे ढैगिलक उहाँ जनैल।

असहैंक उपमहानगरपालिकाके आपन प्रकाशनम थारु लोक महाभारतसे जोर्गिलक बर्किमार गीत पोष्टा बनागिल बा। यी बर्किमारम सम्झौटि, लखागिरक् पैढार, जट्यक पैढार, राउवेढक पैढार, बन्बासक् पैढार, घरबासक पैढार, हँठ्यक पैढार, सुसुर्माक पैढार, बर्किमार पैढार समेटगिल बा।

ओसहैंक थारु शब्दके उत्पत्ति, थारु जातिके थर, उपथर, डुँगौंरा थारुके थर बनैना, घोराही उपमहानगरपालिका भिट्टर थारुन्हक चिनारी, थारुन्हक हस्तकला, लोककाब्य, गुर्वावाक जर्मौटी, लगायत विषय सम्यट्ख घोराही थारु प्रदर्शनकारी कला पोस्टा प्रकाशन हुइल बा। यी पोष्टाम थारु समुदायके अस्टिम्की, सख्या लोककाब्य, बर्किमार लोककाब्य, माँगर, ढुम्रु, मघौटा गीत, सज्ना, मैना गीत सम्याटल बा। ओस्टक थारु समुदायके मेरमेह्रिक टै–टिह्वार, पूजापाठ, संस्कार, संस्कृतिके बारेम उल्लेख कैख पोष्टा प्रकाशन कैगिल बा।

लोप हुइटी रलक थारु भाषा, कला, संस्कृतिके उजाकर कैख दस्तावेजिकरण कर्नाम घोराही उपमहानगरपालिकाके महत्वपूर्ण काम हुइलक थारु कल्याणकारिणी सभाके अध्यक्ष भुवन चौधरी बटोइल।

ओस्टक घोराही उपमहानगरपालिकाके नगरप्रमुख नरुलाल चौधरी स्थानिय भाषा, कला, संस्कृतिके संरक्षण व प्रर्वद्धन कर्ना स्थानीय सरकारके दायित्व हुइलक ओर्से यिहाँके सक्कु समुदायके भाषा, कला, संस्कृतिके संरक्षण व प्रर्वद्धन कर्ना काम कर्टि रलक बटोइल। स्थानिय कला, संस्कृति कलक पर्यटन व समृद्धिके आधार हुइलकओर्से स्थानिय सरकार यी क्षेत्रम विशेष सहयोग कर्टि अैलक जनैल।

❖❖❖

घोराहीम थारू भाषक पह्राइ हुइटी

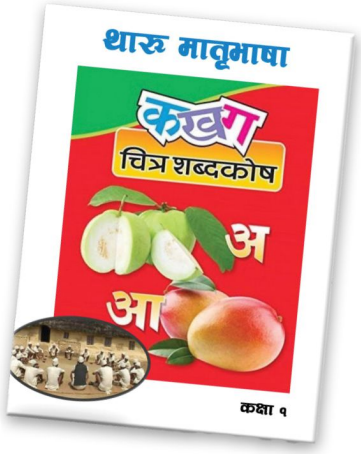

घोराही उपमहानगरपालिकाके सामुदायिक विद्यालयम थारू भाषाके पह्राइ सुरु हुइल बा। थारु भाषाम पठनपाठन करकलाग घोराही उपमहानगरपालिका पाठ्क्रम व पाठ्यपुस्तक बनाक थारु भाषम पह्राइ सुरु कर्लक हो।

थारू भाषा, कला, संस्कृतिके संरक्षण व विकासम सहयोग पुगैना उद्देश्यले थारू विद्यार्थी ढेर रहल विद्यालयम थारू भाषाके पठनपाठन कर्लक घोराही उपमहानगरपालिकाके मेयर नरुलाल चौधरी बटोइल। "थारू भाषाके पाठ्यपुस्तक बनाख व छपाइ कैख गैल बरषसे सामुदायिक विद्यालयम पह्राइ सुरु कर्लक मार थारु भाषा, साहित्यकके संरक्षण व प्रर्वद्धनम सहयोग पुगि कना हम्र विश्वास लेल्ह बाटी"– उहाँ कल।

नेपालके संविधानम मातृभाषाम पह्र पैना मौलिक हकके व्यवस्था हुइल बा उहमार घोराहीके सामुदायिक विद्यालयम थारू भाषाके पठनपाठन सुरु कर्ललक मेयर चौधरी कल। गैल बरषसे कक्षा १ से पह्राइ सुरु हुइल बा,– उहाँ कल असौंसे लग्ढार और कक्षाम फे पह्राइ सुरु कर्ना योजना हुइल बा। घोराही उपमहानगरके प्रवक्ता/सामाजिक विकासके संयोजक राममणि पाण्डेय थारू समुदायके लर्कापर्कन्के शिक्षाम थप सहयोग पुगैना उद्देश्यले थारु भाषक कक्षा सुरु कर्लक बटोइल। घोराहीक आधासे ढेर सामुदायिक विद्यालयम थारू लर्कापर्कन्के बाहुल्यता बा।

घोराही उपमहानगरपालिकाके तथ्याङ्क अनुसार, उपमहानगरके कुल जनसंख्या एक लाख ५६ हजार १६४ मसे थारूके जनसंख्या २५.४९ प्रतिशत बा। अस्ट, क्षेत्री २३.७०, मगर १२.७८ प्रतिशत व और समुदाय बाट। ७१.५१ प्रतिशत नेपाली, २३.४७ प्रतिशत थारू, २.२० प्रतिशत खाम व १०.८२ प्रतिशत अन्य भाषा बेल्सना मनै रहल बाट।

❖❖❖

थारू गाउँम पक्की ठन्वा

थारु समुदायम अघत्यसे रहल ठन्वाह गाउँ गाउँम पक्की बनैना सुरु हुइल बा। हर गाउँम स्याहार निपाइल अवस्थाम रहल ठन्वाह घोराही उपमहानगरपालिकाके आर्थिक सहयोगम पक्की भवन बनाख व्यवस्थित बनैना काम हुइटी रहल बा।

थारु समुदायम अघत्यसे रहल ठन्वाह गाउँ गाउँम पक्की बनैना सुरु हुइल बा। हर गाउँम स्याहार निपाइल अवस्थाम रहल ठन्वाह घोराही उपमहानगरपालिकाके आर्थिक सहयोगम पक्की भवन बनाख व्यवस्थित बनैना काम हुइटी रहल बा।

धर्म व संस्कृतिसे जोर्गिल्क थारुन्हक ठन्वा थारु समुदायके सलहो गाउँक मनै अघट्टेसे पुज्टी आइल बाट। थारुहुक्र हर वरष चार फ्यारा सामुहिक रुपम पूज्ना कर्ठ। ट, आर्थिक समस्यासे गाउँगाउँम ठन्वाके घर भस्कना अवस्थाम रह। ठन्वा सुसार निपाइल पाछ घोराही उपमहानगरपालिकासे गाउँ गाउँम पक्की घर बनैनाम सहयोग कर्टि आइल बा।

वडा सरकारसमे गाउँ गाउँम थारु संस्कृतिके जगेर्ना करकलाग ठन्वा बनैनाम सहयोग कर्टि अैलक घोराही उपमहानगरपालिकाके नगरप्रमुख नरुलाल चौधरी बटोइल। ठन्वा थारु समुदायके पूजापाठ कर्ना ठाउँकेल निहोख थारुन्हक पहिचान व संस्कृतिसे जोर्गिलक वर्से गाउँलेहुकन्हक माग बमोजिम वडा सरकारमसे बजेट विनियोजन कर्लक उहाँ बटोइल। आबसम ढेर जसिन थारु गाउँम ठन्वा बनैना काम निम्टलक उहाँ जनैल। उहाँके अनुसार एक्ठो ठन्वा निर्माणके लाग कम्तीम एक लाखठेसे तीन लाखसम बजेट विनियोजन कर्टि आइल बा।

ओस्टक घोराही उपमहानगरपालिका वडा नं. १७ के वडा अध्यक्ष रामलौटन चौधरी फे वडाके बजेटमसे थारु गाउँम ७ ठो पक्की ठन्वा बनैलक जानकारी डेल। उहाँ हर वरष थारु गाउँम ठन्वा बनैटि अैलक बटोइल। ओस्टक घोराही ७ के वडा अध्यक्ष खोपिराम चौधरी, वडा २ के चित्र बहादुर चौधरी, वडा नं. ३ के रामप्रसाद चौधरी, वडा नं. ९ के चिजवहादुर चौधरी फे गाउँ गाउँम ठन्वा बनाइक लाग हर वरष बजेट विनियोजन कर्टि अैलक जनैल बाट।

घोराही उपमहानगरपालिका वडा नं. १७ स्थित गुलर्‍या गाउँम लुम्बिनी प्रदेश सरकार व घोराही उपमहानगरपालिकाके सहयोगम देशके सबसे मजा व नमुना ठन्वा बनागिल बा। लुम्बिनी प्रदेश सरकारके तीस लाख व घोराही उपमहानगरपालिकाके दुई लाख बजेट व गाउँलेन्क श्रमदानम लगभग ३५ लाखम नमुना ठन्वा, व सामुदायिक भवनके काम निम्टैलक गुलर्‍याक मटावाँ रामप्रसाद चौधरी जनैल।

'ठन्वा हमार मन्दिर हो, आस्थाके धरोहर हो, दर्शन कर्ना एक्ठो ठाउँ फे हो– उहाँ कल, उहमार हम्र परम्परागत शैलीम भुकम्प प्रतिरोधात्मक पक्की ठन्वा बनैलक हुइटी।' उहाँके अनुसार ठन्वम हर वरष चार फ्यारा सामुहिक पूजापाठ कैजिठा। ठन्वम पूजापाठ कर्लसे गाउँम शान्ति सुरक्षा हुइना अन्नबाली सप्रना, रोगव्याधी निलग्ना, गोरुबच्छु, छेर्री/भेरौं, मुर्घि/चिङना हुकन रोग निलग्ना जनविश्वास थारु समुदायम बा। 'थारु गाउँम बैस्ना जे फे भ्वाज करबेर ठन्वाम पुजापठा करपर्ना, ठन्वह घुम पर्ना परम्परागत संस्कार व रिटभाँट बा, उहाँकल, -ठन्वम भ्वाज कर्ना परम्परा निरलसेफेन दुल्हा व दुल्हीके शुभसाइतके लाग जन्ति जैना ब्याला नैकी दुल्ही लेक अइलसे जसिक फे ठन्वम दर्शन करपर्ठा।' ओस्टक और शुभ साइतके लाग फे ठन्वम पूजापाठ कर्ना कैजिठा। ओस्टक डस्यम गाउँलेहुक्र ठन्वम बैस्ख महाभारतसे जोर्गिलक बर्कीमार गीत गैना, सुस्सैना, लौसारी कर्ना, व कानम कोक्नीक जिउरा व बेब्री लगैना चलन रलक उहाँके कहाइ बाटन्।

❖❖❖

घोराही उपमहानगरपालिकाके पेशा व्यवसाय दर्ता व नविकरण कर्ना सूचना !

घोराही उपमहानगरपालिका भित्तर व्यवसाय संचालन कर्टी रहल, दर्ता निकरल ओ दर्ता कैख नविकरण निकरल व्यवसायिहुक्र आपन लघुच्च पर्ना वडा कार्यालय नैकि नगरपालिकाम जाक दर्ता ओ नविकरण करकलाग मैगर अर्जी करटी।

सात बरषम एक हजार १ सय ९८ विवाद मिलल

घोराही उपमहानगरपालिकाके न्यायिक समितिसे अक्खनसम एक हजार एक सय ९८ विवाद मिलाक निरुपण कैगिल बा।

२०७४ म स्थानीय सरकार गठन हुइलपाछ स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन २०७४ के दफा ४७ के उपदफा (१) व (२) बमोजिम न्यायिक समितिसे पालिका भिट्टर न्यायिक समितिम दर्ता हुइलक विवादह मिलाक निरुपण कर्टि अैलक हो। उहमार घोराही उपमहानगरपालिका न्यायिक समितिसे गैलक आर्थिक वरष २०७४-७५ ठेसे चालु आर्थिक वरष २०८१-८२ सम एक हजार एकसय ९८ विवाद मिलापत्र कैगिलक हो। चालु आर्थिक वरष २०८१-८२ म ४६ ठो विवाद निरुपण कैगिलक न्यायिक समितिके अधिकृत प्रतला देवकोटा गौतम जानकारी डेली।

उहाँके अनुसार आर्थिक वरष २०७४-७५ म २५६ विवाद दर्ता हुइल रह। वाकरपाछ चालु आर्थिक वरषसम एक हजार दुई सय ३० विवाद दर्ता हुइलक उहाँ जनैली। टफेन चालु आर्थिक वरष २०८१-८२ माघ मसान्तसम ५२ ठो विवाद केल दर्ता हुइल रह। यीहीमसे ४६ ठो विवाद मिलापत्र कैगिलक उहाँ जनैली। अस्टक न्यायिक समितिके संयोजक घोराही उपमहानगरपालिके उपप्रमुख हुमाकुमारी डिसी न्यायिक समितिम दर्ता हुइलक विवादह डुनु पक्षके जित हुइना मेरसे मिलापत्र कर्टि अैलक बटोइली। 'हम्र किउजहन पक्षविपक्ष निबनैटी' –उहाँ कलि, 'डुनु पक्षके पालिक पाल्या बात सुन्ठीं, वाकरपाछ पीडकके बात सुन्ठी, यि डुनु पक्षके बात सुन्ख समस्याके समाधानके पहिचान कैख डुनु पक्षह एक्क ठाउँम ढैक मिलापत्र कर्ठी।'

उहाँ सक्कुजहन मिलाक न्याय डेना प्रयास हुइटी अैलक न्यायिक समितिसे वडा-वडाम मिलैना मनै खटैल्क फे जनैली। कुछु समस्या हुइलसे वडास्तरम मिलैना नैकी मिल्ना सम्भव निहुइलसे न्यायिक समितिम अैना कर्लक संयोजक डिसी जनैली। अस्टक न्यायिक समितिसे कानुनी साक्षरताह फे प्राथमिकताम ढैख वडा–वडाम नागरिक सचेतना कार्यक्रम, न्यायिक घुम्ती शिविर व विद्यालम पुग्ख विद्यार्थीहुकन न्यायसम्बन्धी कानुनी साक्षरता कक्षा चलैटी अइलक जानकारी डेली। ओस्टक न्यायिक समितिसे दफा (१) व (२) वाहेकके ह्यार निमिल्ना और मुद्दाजस्ट बहुविवाह, अंश जसिन विवादह उह मेह्रिक निकायम जैना सल्लाह सुझाव फे डेटी अैलक संयोजक डिसी जानकारी डेली। ओस्टक न्यायिक समितिसे वरैटी अैलक कामके बारेम हर त्रैमासिकम पत्रकार सम्मेलन कैख सार्वजनिक कर्टि अैलक उहाँ जनैल बाटी।

❖❖❖

टिना बेच्क आम्दानी बहैर्टी थारू महिला

काठमाडौं व गोटगाट शहरम फूटपाथ व्यापारम रोक लगैलसेफे घोराही उपमहानगरपालिकासे जुन्हुक टिना बेच्ना समय बनाडिहल पाछ उपभोक्ता व किसान हुकन लिरौसी हुइल बाटन्।

काठमाडौं व गोटगाट शहरम फूटपाथ व्यापारम रोक लगैलसेफे घोराही उपमहानगरपालिकासे जुन्हुक टिना बेच्ना समय बनाडिहल पाछ उपभोक्ता व किसान हुकन लिरौसी हुइल बाटन्।

दाङके घोराही उपमहानगरपालिका-७, सुख्वार गाउँके खिमा चौधरी भुवर विहान घोराहीके फूटपाथम भेट्जैठी। आघपाछ सन्झ्या विन्ह्या घरक भन्सा व कुवाँपानीम केल रना खिमा आसकाल छिट्वाम टिना बोक्ख सन्झ्या विन्ह्या घोराही बजार पुग्ठी। उहाँ टिना बेच्ख केल दिनक तीनसे चार हजारसम कमाही कर्टि आइल बाटी। "कबुकाल ट मजा व्यापार हुइलक दिन पाँच-सात हजार जो पुग्ठा –उहाँ कलि, टिना बेच्ख घरखर्च ट चल्ल बा, छाईछावन पह्रैना फे लिरौसी हुइल बा।"

उहाँ आपन लर्कापर्कनकेल निहोख आपन डिउरक लर्कापर्कनफे फूटपाथम टिना बेच्ख केल निक विद्यालयम पह्रैटी आइलबाटी। कौनो ब्याला औरजहनके जग्गा अध्या कैख जीवन गुजारा चलैटी अइलक खिमा आसकाल टिना बेच्ख एक विघा जग्गा फे जोर्लक बटोइठी। एक कट्ठामसे टिना खेति सुरु कर्लक खिमा अक्खन एक बिघाम टिना फरैटी आइल बाटी।

"सुरू सुरूम जात कर्रा लाग, आब त बानी पर स्याकल" –खिमा कलि "म्वार काम जो बाह्र महीना टिना फरैना व फूटपाथम लैजाख बेच्ना हो।" ढेर जसिन बेमौसमी टिना फरैटी अैलक उहाँ बटोइठी। फुलगोभी, बन्दगोभी, भेन्डी, करैला, भाटा, लौका, टमाटर लगायत टिना उहाँ आपन बारीम फरैटी आइल बाटी। ओस्टकआलु, प्याज व लसुन फे मजा फर्टी आइल बाटन्।

सुख्वार गाउँके रिता चौधरी फे छिट्वाम टिना ब्याच भुवर बिहान घोराहीके फूटपाथ पुग्ठी। आपन पच्यारके मुख्य आम्दानीके स्रोत जो टिना खेति रलक उहाँ सुनैली। "दिनके दुई-तीन हजारके टिना बेच्ना कर्ठु –उहाँ कलि, "घरखर्च व छाइछावन पह्राइ पुगल बा।" उह गाउँक सुवासी चौधरी फे टिना बेच्ख ढेर आम्दानी कर्टी आइल बाटी। उहाँ टिना बेच्खकेल गाउँम पक्की घर बनासेक्ल बाटी। "टिनाखेतिमसे लर्कापर्कन पह्रैनु –उहाँ कलि, बचल रुप्याले गाउँम एक्ठो पक्की घर फे बनैनु।"

खिमा, रिता, सुवासी जस्ट थारू समुदायक जन्याव घोराहीके फूटपाथम टिना बेच्ना ब्याला भेटजैठ। उहाँहुक्र दिनभर घरक काम कर्ना व बिहान व सन्झ्या छिट्वाम टिना ब्याच घोराही अैना कर्ठ।

घोराही उपमहानगरपालिका टिना बेच्ना किसानहुकन नीतिगत रुपम जो लिरौसी बनाडिहल बा। फूटपाथम टिना बेच्ना किसानहुकन टिना बेच्नाम छूट फे डिहल बा। "बिहान ९ बजेसम व सन्झ्या ५ बजेपाछ फूटपाथम टिना समय मिला डेरख्ली," घोराही उपमहानगरपालिकाके मेयर नरुलाल चौधरी कल। उहमार अक्खन किसान व उपभोक्ता डुनुजहन फाइदा हुइल बाटन्। व्यापारीहुक्र किसानहुकनसे सस्ता भाउम किनबेर उपभोक्ताहुकन महङम बेच्ना करठ, वाकर नाफा व्यापारीहुकन ढेर हुइना हुइलओर्से किसानहुक्र फे आपन लागत अनुसार म्वाल पैल बाट चौधरी कल। फूटपाथमा निश्चित समयम म बिक्री करबेर किसानहुकन फे लिरौसी हुइल बाटन्। आपन फराइल टिना हाली हाली बेच्ख सयम म किसानहुक्र घर पुग्ना कर्ठ।

कृषि उपजके बजारीकरणह सहयोग कर्ना व किसानहुक्र फरैलक वस्तुह बिक्रीवितरण करलकलाग लिरौसी बनैलक व फूटपाथम निश्चित समयम व्यापार कर्ना छूट डेलक मेयर चौधरी के कहाइ बाटन्। "किसानहुक्र फरैलक बस्तुह कृषि उपजके बजारीकरणम सहयोग पुगैना हमार उद्देश्य हो," –मेयर चौधरी कल, "गाउँक किसानहुकन स्वरोजगार बन्नाम सहयोग पुगल बाटन्।" घोराही उपमहानगरपालिकासे फे फूटपाथ खाली कर्ना अभियान चलैल बा। फूटपाथ अतिक्रमण कर्ना संरचना हटैना निर्णय फे करल बा। टफेन किसान व उपभोक्ताह लिरौसी बनाइलाग समय टोक्क फूटपाथम बिक्री कर्नाम छुट डेलक मेयर चौधरीके कहाइ बाटन्। स्थानीय सरकारसे लिरौसी बनाइलपाछ घोराहीम दिनक २०० से ढ्यार किसानहुक्र बिहान व सन्झ्या फूटपाथम टिना बेच्ना कर्टि अैलक उपमहानगरपालिकाके उपभोक्ता हित संरक्षण शाखाके प्रमुख मोहनसिंह सुनार बटोइल। "छिट्वा, डोकोम टिना बेच्ना किसानहुकन बिहान ९ बजेसम व सन्झ्या ५ बजेपाछ बिक्री वितरणम सहयोग कर्टि आइलबाटी,"–उहाँ कल। घोराही उपमहानगरपालिकासे ट्वाकल मापदण्ड बहार गैलसे ब्यापार कर्नाहुकन कारबाही फे कर्टि अैलक उहाँ बटोइल। बिहान ९ बजेपाछ व सन्झ्या ५ बजेआघ फूटपाथम छिट्वा, डोकोम टिना बेच्लक भेट्लसे पहिल फ्यारा १०० रुप्या, ड्वासर फ्यारा ५०० रुप्या व त्यासर फ्यारा सामान जो नियन्त्रणम लेना कर्लक उहाँ बटोइल। ओस्टक ठ्यालाके हकम पहिल फ्यारा ५०० रुप्या, ड्वासर फ्यारा एक हजार रुप्या व त्यासर फ्यारा सामान जफत कर्टि अैलक शाखा प्रमुख सुनार बटोइल।

❖❖❖

कसिख बच्ना ट सिकलसेल एनिमियासे ?

संघीय राजधानीम फोहोर व्यवस्थापन बरवार समस्या हुइटि रलह ब्याला घोराही उपमहानगरपालिका फोहोरमसे ग्याँस बनाक उपभोक्ता हुकन्हक घर घरम पुगागिल बा।

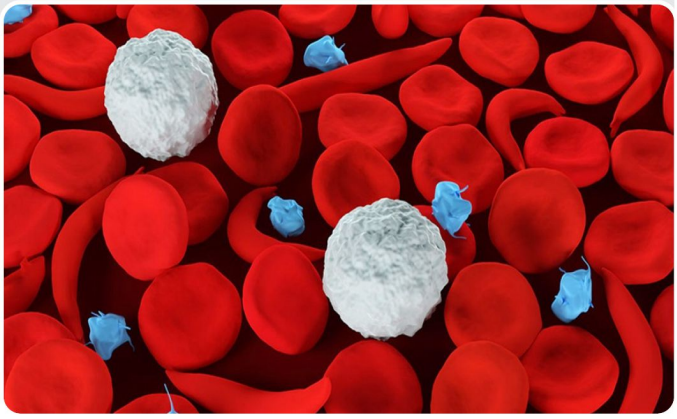

घोराही उपमहानगरपालिकासे हर बरष नीति व कार्यक्रमम सिकलसेल बेरम्यनके लाग निशुल्क रगत सहयोग कर्ना कार्यक्रम कर्टि आइल बा। रगतके अभावले सिकलसेल एनिमियाके बेरेम्यन समस्या डेख परलपाछ घोराही उपमहानगरपालिका असिन कार्यक्रम अन्लक हो । यी कार्यक्रम आनलपाछ कुछहदसम सिकलसेल बेरेम्यन सहयोग पुग्टी अैलक घोराही उपमहानगपालिका जनैल बा । संघीय सरकारसे फे सिकलसेलके उपचारम सघैटी आइल बा । याकरलाग सिकलसेल बेरेम्यन एक लाखसम निःशुल्क विच्वा करकलाग नीतिगत व्यवस्था फे कर्ल बा।

का हो सिकलसेल एनिमिया ?

भेरी अस्पतालके वरिष्ठ कन्सल्टेन्ट फिजिसिएन डा. राजन पाण्डेके अनुसार, लाल (रातो) गोलाकार रक्तकोषिकाके स्वरूप फेर्क हँस्या जस्ट आकारम रूपान्तरण हुइना रक्तअल्पता सम्बन्धी रोगह सिकलसेल एनिमिया कैजिठा। यी वंशानुगत रोग हो। यी रोग लग्लक बेरेम्यन रक्तकोष हँस्या आकारके हुइना हुइलक वर्से यिहन हँस्या रोग फे कैजिठा।

कसिख सर्ठा ?

यी वंशाणुगत रोग हुइलकओर्से जिनम हुइना खराबीले डाइबाबनमसे जन्मटिक् सन्तानम सर्ना कर्ठा । यी रोग लग्लसे औरजहनम सर सेक्ना खासै लक्षण निडेख परठ । यी रोग सर सेक्ना कलक सिकलसेल रहल लौरा व लौच्या बिचम भ्वाज हुइलसे अैना सन्ततिम डेख पर्ना सम्भावना ढेर रलक डा. पाण्डेके कहाइ बाटन्।

कसिक बच्ना ट ?

सरकार चहलसे व समुदाय स्विकार कर्लसे १० वरषम सिकलसेल एनिमिया नियन्त्रण कर सेक्ना डा. पाण्डेय बटोइठ "सिकलसेल एनिमिया रोग वंशाणुगत रलसेफे यिहिसे बचसेक्जैठा– उहाँ कल, "यिहिन च्वाकक्लाग सब्से पहिल मजा विच्वा कलक भ्वाज हुइना आघ जसिक फे सिकलसेल एनिमिया परीक्षण कर्ना हो।"

सिकलसेल एनिमिया व बिटा थालासेमिया हुइलक मनैन् से हुइना सन्तान जन्माइबेर ध्यान डिहपर्ना उहाँके कहाइ बाटन् । "भ्वाज हुइनासे आघ हेमोग्लोबिन इलेक्ट्रोफोरेसिस् जाँच कैख सिकलसेल अर्थात् थालासेमिया कुण्डली मिलाख उह मेह्रिक निर्णय कर्लसे जीवेनभर सिकलसेल रोगसे बच व बचाई सेक्जैठा," डा. पाण्डे कल।

पहिल जो पहिचान कैख नियमिति रूपम विच्वा खैना कर्लसे यि रोगसे बचसेक्ना उहाँके कहाइ बाटन् । ओस्टकनियमित संक्रमण विरुद्धके खोप, नियमित रूपम रक्तअल्पताके विच्वा फे करपर्ना जरुरी रलक उहाँ बटोइल।

नेपालम चार हजार बेरम्यन

नेपालम चार हजारसे ढ्यार सिकलसेल एनिमियाक बेरम्यन रलक एक अध्ययनम डेख परल बा । आबसम सिकलसेल एनिमिया डेखपर्लक मसे सब्से ढ्यार थारू समुदाय रलक डा. पाण्डे बटोइल। सिकलसेल थारू समुदायह केल लग्ना कना भ्रम रलक उहाँ बटोइल। तराईम बसोबास कर्ना और समुदायह फे सिकलसेल लग्लक उहाँ बटोइल। यौ रोग विश्वक और देशम फे बहुट डेखा पर्लक डा. पाण्डेय बटोइल।

प्रभावित पाँच जिल्ला

यी रोग खासकैख मलेरिया प्रभावित क्षेत्रम डेख परल बा । सिकलसेल एनिमियासे नेपालके पश्चिम तराईके पाँच जिल्लाम ढेर मनै प्रभावित हुइल बाट। बाँके, बर्दिया, कैलाली, कञ्चनपुर व दाङम याकर प्रभाव ढेर डेखपरल बा। यीहीमसे सब्से ढेर बर्दियाम डेखापलर्क डा. पाण्डे बटोइल। ओस्टक पाछक समय म प्यूठान व जाजरकोटम फे सिकलसेल डेखा परल बा।

❖❖❖

फोहोरमसे बन्लक ग्याँस उपभोक्ता हुकन्हक घरघरम

संघीय राजधानीम फोहोर व्यवस्थापन बरवार समस्या हुइटि रलह ब्याला घोराही उपमहानगरपालिका फोहोरमसे ग्याँस बनाक उपभोक्ता हुकन्हक घर घरम पुगागिल बा।

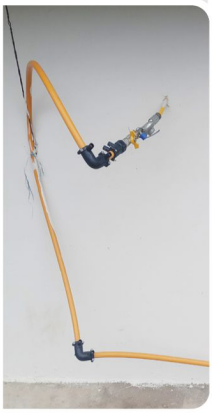

काठी व गुइँठक धुवाँम भन्सा कर्टि अैलक दाङ घोराही उपमहानगरपालिका- १६ के लक्ष्मी चौधरीह आब बहुट लिरौसी हुइल बाटन् । गैल वरषसे लक्ष्मिह काठी ख्वाज निपर्टिन । "खेत्वाडिह्वामसे घुम्टीकी भातभन्सा करलाग काठी ख्वाज पर– लक्ष्मी कलि "आब ट ग्याँस आइलसे मजा हुइल बा।" उहाँ एलपी ग्यास सिलिन्डर फे नि किन्ल हुइटी । "बजारसे सिलिन्डर किन फे परल निहो । चुल्हासम पाइप जोर्गिल बा, बटन थिच्टीकी बरजाइट," लक्ष्मी हस्टी कलि।

पाइपलाइनमसे चुल्हाम अैना ग्याँसले खाना पकैना बहुट लिरौसी हुइलक उहाँ सुनैली। "सिलिन्डर ड्याखबेर पठ्कठा की कना डर लाग, ट यी ग्याँसम डर फे निहो– उहाँ कलि "यी त धाराके टुटी ख्वालल्हसक हुइना रैछ।"

लक्ष्मीके छिमेकी सुशीला चौधरीके घरम फे पाइपलाइनसे ग्याँस भन्साम पुगल बाटिन्। उह ग्याँसम खाना पकैटि रलक –सुशीला कलि, "पाइपलाइनमसे ग्याँस आइलपाछ बहुट चौंकस लग्ठा, काठी ख्वाजक लाग आब बन्वा जाइ निपरट।"

लक्ष्मी, सुशीला जस्ट घोराही वडा नं. १० व १६ के स्थानीयहुक्र घोराही उपमहानगरपालिकासे बन्लक ग्याँसम खाना पकैटि आइल बाट। घोराही उपमहानगरपालिका वैकल्पिक ऊर्जा व नेपाल उर्जा विकास कम्पनीसे सहकार्य कैख घर घरम ग्याँसके पाइपलाइन पुगैल बा।

"घोराही उपमहानगरपालिका क्षेत्र भिट्टर सङ्कलन हुइलक फोहोरमसे बायोग्यास बनैल बाटी, उह ग्याँस पाइपमसे चुल्हासम पुगाडेल बाटी," –मेयर नरुलाल चौधरी कल।

"उपमहानगर क्षेत्रसे सङ्कलित फोहोरह कुन्ह्याक बायोग्याँस बनागिलक हो। यी संगसंग प्राङ्गारिक मल फे उत्पादन कर सुरु कैगिल बा। याकरलाग २०७५ मंसीर ५ गतेसे काम शुरू कैगिल बा" मेयर चौधरी कल।

बनैलक पाँच वरषपाछ घर घरम पाइपलाइनसे ग्याँस वितरण कैगिलक हो। आब घोराही उपमहानगरपालिकाके वडा नं. १० व १६ के करीब एक हजार ५०० घरधुरीम पाइपलाइनसे ग्याँस पुगैना लक्ष्य रलक कम्पनीक कार्यक्रम अधिकृत शारदा शर्मा बटोइली।

अक्खन कम्पनी चहल बराबर फोहर पाइ निसेक्लक हो। ग्याँस प्लान्ट पूर्ण रूपम सञ्चालन हुइलसे दैनिक दुई हजार घनमिटर ग्याँस बनाइ सेक्ना उहाँके कहाइ बा। वाकरलाग दैनिक ३०० क्विन्टल फोहोर आवश्यक पर्ठा। "घोराहीम फोहोर अपुग हुइलपाछ और पालिकासे लन्ना काम हुइटी रलक उहाँ बटोइली।

घोराही- १६, गञ्वागाउँम करीब तीन बिघा क्षेत्रम रलक उद्योग बनाइकलाग लाग २२ करोड लगानी हुइल बा। सुरूमा २० करोड लग्ना अनुमान कर्लसे फे सक्कु संरचना बनाइबेर २२ करोड पुग्लक कम्पिनी जनैल बा।

फोहोरसे ग्याँस संगसंग मल मल बनैना काम फे हुइटी आइल बा। फोहोरमसे ग्याँस व मल बनैना सुरु हुइलसे घोराही उपमहानगरपालिकाम फोहोर व्यवस्थापन कर्ना लिरौसी हुइलक मेयर चौधरी बटोइल। "एकहोंर फोहोर व्यवस्थापन कर्ना लिरौसी हुइल बा कलसे औरहोर उपभोक्ताहुक्र घर घरम पाइपलाइनमसे ग्याँस पाइबेर खर्च व समय बचत करपाइल बाट– उहाँ कल, यिहिले घोराहीह स्वच्छ व सुग्घर बनैनाम फे सहयोग पुगल बा।"

उहाँ उपमहानगरपालिकाम गल्ना व निगल्ना फोहोर वर्गीकरण कैख सङ्कलन कर्टि अैलक जनैल। फोहोरमसे ग्याँस बनैना घोराही उपमहानगरपालिका व कम्पनीबीच २० वरषके सम्झौता हुइल बा। वाकरपाछ घोराही उपमहानगरह हस्तान्तरण कैजिने बा। उ ब्यालसम कम्पनीसे ग्याँस व मलसे हुइलक नाफाके पाँच प्रतिशत रकम घोराही उपमहानगरपालिकाह डेना सहमति हुइलक उपमहानगरपालिका जनैल बा।

❖❖❖

कृत्रिम टल्वामसे करोट लेटि किसान

घोराही उपमहानगरपालिका 'एक वडा एक टल्वा' अभियान चलाक घोराहीके आधासे ढेर वडामा कृत्रिम टल्वा बनैल बा। घोराहीके ३ व १९ नम्बर वडा बाहेक सक्कु वडाम अक्खनसम ४३ ठो कृत्रिम टल्वा बागिल बा।

कृत्रिम टल्वा बनलपाछ स्थानीय किसानहुक्र टीना खेति कैख आत्मनिर्भर बन भिरल बाट। वत्रकेल निहोख उपक पानीके भरम खेतिपाती कर्टि अैलक कृषकहुक्र टल्वाक सिचाइले बर्खाम खेतीपाती समेत कर्टि अैलक घोराही उपमहागरपालिका वडा नं. १७ के सिताराम चौधरी बटोइल।

कौनो ब्याला पिना पानीके समस्या समेत रहल ब्याला टल्वा बनलपाछ खेतिपातीम समेत सहज हुइलक उहाँ बटोइल। बाह्र महिना सिचाइ हुइना हुइलठेसे यिहाँक किसानहुक्र हर वरष टिना खेती कर्टि अैलक उहाँ बटोइल।

"पानीके सुविस्टा निहोख टिना बजारमसे किन्ख खैना करी, आब बाह्र महिना टिना खेति कैख मजा आम्दानी फे कर्टी आइल बाटी –उहाँकल, "कृत्रिम टल्वाके लग्घ पम्प सेट ढैख सिँचाइ कैख फारा फरैटी बाटी।" टल्वामसे घोराही १६ व १७ वडाके करिब ९० बिघा जमिनम सिँचाइ हुइटि अैलक उहाँ बटोइल।

ओस्टक घोराही उपमहानगरपालिका-१६, मघैके निर्मल चौधरी टल्वा बनल पाछ आकास्या पानीके आस आम्हिनसम कर निपर्लक बटोइल। पहिल खेतिपाती करबरे आकास्या पानीके भरम आश लाग पर, –उहाँ कल खेतिपाती कर्ना समय हुइलसे टल्वाम पम्पसेट लगाख पानी टान्ख खेतिपाती सुरु कर्ठी।"

घोराही उपमहानगरपालिकासे ७ वरष आघ गुलऱ्या व मघैके सिमानाके बिच्चम करीब १० बिघा क्षेत्रम कृत्रिम टल्वा बनागिल बा। आब यिह टल्वामसे यिहाँक किसानहुनके जिवनस्तर फेरगिलक उहाँ बटोइल। कौनो ब्याला बाझो खेत्वा रना मघैक डब्रा आज टिना खेतिपातीले हरियाली बा।

घोराही-१७, गुलऱ्याक दीपक चौधरी फे टल्वा बनलठेसे पम्पसेटले पानी टान्ख खेतिपाती कर्टि अैलक बटोइल। "ब्याला ब्याला बर्खाके समयम फे खडेरी पर्ठा, दिपक कल, "पानी निपरटसम कुल्वाम पानी निआइट, उहवर्से टल्वक पानीले खेतिपाती टिना टाउन कर्टि आइलबाटी।" टल्वाके पानी और ब्याला केल निहोक बर्खाम सिचाँई के लाग लिरौसी हुइल बा। पहिल घामक समयम कुवाँम पानी सुक्ना समस्या रह, –उहाँ कल, टल्वा बनल पाछ आब बाह्र महिना सस्ता पानी पलिरठा।"

कृत्रिम टल्वासे उपमहानगर क्षेत्रक किसान लाभान्वित हुइलक मेयर नरुलाल चौधरी बटोइल। टल्वाले पर्यटन प्रर्वद्धन संगसंग किसानहुकन्हक लाग आयआर्जनके स्रोत बन्लक बटोइल। किसानहुकनके खेतिपाती कर्नाम लिरौसी बनाइकलाग घोराही उपमहानगरपालिकासे टल्वाके अबधारण बनैलक उहाँ बटोइल। आकास्या पानीके भरम खेतिपाती कर्टि अैलक किसानहुकन कुछ सहयोग पुगैना उद्देश्यले यी टल्वा बनैना अभियान बनागिल हो। सिमसार क्षेत्रह संरक्षण कैख पानीके स्रोतह घट निडेना एक्ठो उद्देश्य सहित घोराही उपमहानरपालिकासे प्रदेश सरकारसे समन्वय कैख यि अभियानम जुट्लक उहाँके कहाइ बाटन्। टल्वा बनल पाछ टल्वाके आसपासम रलक सयौं किसानहुकनके आम्दानीके स्रोत फे बहर्टी गैलक उहाँ बटोइल।

घोराही उपमहानगरपालिकासे करिब २७ करोड ३८ लाख ८ हजारम ४३ ठो टल्वा निर्माण कर्लक घोराही उपमहानगपालिकाके सूचना अधिकारी भिमबहादुर चौधरी जनैल। उहाँके अनुसार घोराही १ व २ के बिचम पर्ना चेपे टल्वा, घोरी १ म भोटे टल्वा, चरिंगे टल्वा, गवाँरे सोता टल्वा, चुरे सोता टल्वा निर्माण कैगिल बा। ओस्टकघोराही २ म बलरामपुर टल्वा, शहरे टल्वा, घोराही, ४ म अमारे सोता टल्वा, सुकी दह टल्वा, चरिखुट्टे टल्वा, छरछरे टल्वा, रोहणी ड्याम बनागिल बा। अस्टक घोराही ५ म धारापनी टल्वा, भमकी टल्वा, भमकी सिमसार टल्वा १, भमकी सिमसार टल्वा २, घोराही ६ लख्वारम लख्वारे टल्वा, पीपल छहारी टल्वा, फचकपुर लिफ्ट टल्वा १, फचकपुर टल्वा २, घोराही ८ म दुन्द्रा टल्वा बनागिल बा।

ओस्टक घोराही १० ठाँटी गाउँ टल्वा, घोराही ११ म सिरुगैरा टल्वा, घोराही १२ म बनबाटीका टलवा, साततले टल्वा, घोराही

१३ म ज्यामिरे टल्वा, बाह्रकुने टल्वा, घोराही १६ म गंगटिया टल्वा, गंगटिया टल्वा, घोराही १७ म कटही टल्वा, ढिकपुर टल्वा, आरोग्य टल्वा, कर्जाही टल्वा, डबरी टल्वा, गुलऱ्या टल्वा, वखूरा टल्वा, कमलपोखरी टल्वा, बनागिल बा । ओस्टक घोराही १८ म रानी जरुवा टल्वा, अम्बापुर टल्वा, गिठेपानी उपल्लो टल्वा, गिठेपानी तल्लो टल्वा, सुँगुरे टल्वा व काभ्रेखेला टल्वा बनागिल बा ।

❖❖❖

घोराही नगर पोष्टा बनैनाम सखैना
घोराही नगरपालिकाका सूचना तथा प्रविधि शाखा

भिम बहादुर चौधरी (सूचना अधिकारी)
बिमल अग्रहरी (सूचना तथा प्रविधि अधिकृत)

सक्कुन्हक लोकप्रिय नेता नरुलाल चौधरी
जन्तन् कठ-गफ नाही काम कैख डेखैल

घोराही उपमहानगरपालिका वडा नं १४ लुहासुरक बुद्धिप्रकाश अधिकारी आपन टोलक मनैन्से बटोइटी कल 'नरुलाल किसानक छावा हुईट मजा काम करही कना आश लेल्ह रलही जात्तिक कैख डेखैल । गाउँ-गाउँम डगर बनैल, टल्वा बनैल, स्वास्थ्य, कृषीक क्षेत्रम मजा काम कर्ल, अक्खन फोहरमसे ग्याँस बनैना काम कर्ल कना फे सुन्टी बाटी, हमन बहुत खुशी लागल बा' । ओस्टक उह टोलक सर्मिला चौधरी फे कली और जन्ह ट काम से ढेर गफ कैख आपन कार्यकाल पुरा कर्ठ, नरुलाल चौधरी ट काम कैख डेखैल बाट, सक्कुन्हक मन जित्रख्ल ।

नेपालम संघियता आईल पाछ निर्वाचित हुईलक जनप्रतिनिधिहुक्र अक्खन पाँच वरष पुरा कैसेक्ल बाट । फे दोस्र चुनाव लस्कैटी रहल ब्याला नरुलाल चौधरीक कर्लक कामक प्रशंसा कर्ना मनै फे ढेर बाट । घोराही ७ सुखऱ्वारक गुरुप्रसाद चौधरीक कठ हमार देशम नरुलाल चौधरी जसिन नेता हुईना हो कलसे जात्तिक ढेर विकास हुईने रह । वास्तवम उहाँ गाउँ केन्द्रित होक विकास कर्ना काम कर्ल, कृषी विकासक लाग विभिन्न योजना बनाख संचालन कर्ल, सिचाईक सुविधा निर्माण कर्ल, हम्र जसिन किसान हुकन ढेर हौसला प्रदान कर्ल-चौधरी कल ।

ओस्टक घोराही वडा नं १५ क गणेश दहाल कल घोराही क्षेत्रम हुई निसेक्लक विकास नरुलाल चौधरीक पालामा होरहल । गाउँ गाउँम विकासक लहर फैलल बा, गाउँसे बजार सम्म आईबेर घण्टौ लग्ना डगरम आज सक्कुज पाँच १० मिनेटम आई सेक्ना होरल दहाल कल । ओसहैंक थारु कल्याणकारिणी क्षेत्र नं २ क अध्यक्ष अनिल चौधरी कठ 'ब्वाङ ब्वाङ ढुर उर्ना डगरम भुऱ्याभुसुन होक बजार आईपर आजकाल ट पक्की डगरम बाइक, साइकल डौरैटी एक्कघचिक पुग्जैठी' । उहाँ दिर्घकालिन सोच ढैख कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य क्षेत्रम नरुलाल चौधरीक पालाम ढेर मजा काम हुईलक विचार ढर्ल । ओस्टक शिक्षक छवि चौधरी कल हम्र गाउँम पहिल २०-२५ ठो विद्यार्थीहुकन पहिल पह्राई नरुलाल चौधरी अैटीकि सरकारी विद्यालयम विद्यार्थीन्हक संख्या बह्रल बा ।

घोराही वडा नं २ क जयन्द्र चौधरी कल रामपुर क्षेत्रम हेर्ना हो कलसे शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, डगर बनैना ओ पर्यटकिय हिसाबम ढेर विकास हुईल बा । कृत्तिम जलाशय निर्माण कैख पर्यटक हुकनन्हक संख्याम वृद्धि हुईल बा कलसे कबु फे डगर बनि कैख निस्वाचल जन्ताहुक्र आपन घर अङनाम पक्की डगर ड्याख पाइल बाट उहाँ कल ।

नेपालक संविधान २०७२ पाछ कार्यान्वयन हुइल संघियता अनुरुप गठन हुइल स्थानिय तहक निर्वाचनमसे घोराही उपमहानगरपालिकाक मेयर नरुलाल चौधरी जन्तन्हक ढेर भ्वाटमसे जित्ल रलह। उहाँ जिटल पाछ चुनावी ऐजेण्डा ओ नगरवासिन्क आवश्यकताह महशुस कर्टी पाचँ वरषक ब्यालाम ढेर काम कर्ल बाट। कोभिड महामारी जसिन ब्यालाम फे आपन जिउज्यान दाउम लगाक चौधरी ढेर जन्तन्हक स्यावाम लग्ल। आज वाकर परिणाम हेर्ना हो कलसे घोराहीम ढेर विकास हुईल बा।

मेयर नरुलाल चौधरीक कठ - हमार पालाम मै जन्तन्हक माग ओ आवश्यकताह ध्यानम ढैख विकासक कामह आघ बह्नैनु, खासकैख घोराहीम दिर्घकालिन विकासक जरुरी बा कना हिसाबले काम कैगिल बा। स्थानिय तह लौव नेतृत्व पाइल पाछ ढेर चुनौती रह ओ अवसर फे ट यी डुनु चिजह महशुस कर्टी पाँच वर्षम हम्र ढेर विकास कर सफल हुईल बाटी चौधरी कल।

अक्खन घोराही उपमहानगरपालिका विकासके हिसाबले गाउँगाउँम पक्की, कच्ची डगर बनाए सफल हुइल बा। अक्खन घोराही उपमहानगरपालिकाम केल भाईरल डगर बा। सिचाई खानेपानिक अभाव हुईटी रहल ब्याला ढेरन्हक वडाम टल्वा बनैल बा। घोराहीम फोहर बहर्टी गैल ब्याला उहिह व्यवस्थित कर्ना ओ ग्याँस बनैना कना हिसाबले ग्याँस बनाए सफल हुईल बा। १९ ठो वडा भित्तर वडा, स्वास्थ्य संस्था ओ विद्यालयक भौतिक संरचना निरहल ब्याला ढेरन्हक संरचना निर्माण होक नागरीकहुक्र सहज ओ सरल रुपम स्यावा पैटी बाट। हजारौ किसानहुक्र अनुदानम आधारित खेतिपाति कैख आत्मनिर्भर बनैना कामम घोराही उपमहानगरपालिका अग्रसर हुईल बा। शिक्षाक क्षेत्र बिग्रटी गैल ब्याला सरकारी विद्यालयम भौतिक संरचना सुधार ठेसे लेक विद्यार्थीहुकन्हक संख्या फे बह्रल अवस्था बा। स्थानिय जनप्रतिनिधिहुक्र आइल पाछ नगर कसिक सञ्चालन कर्ना कना एहोरउहोर हुइटी रहल ब्याला सक्कु मेह्रिक कानुन, नीति, नियम, निर्देशिका बनाख प्रणालीगत रुपम काम कैख नागरीक हुकन मजा किसमिक स्यावा डेना काम म घोराही उपमहागरपालिका उदारहणिय काम कर्ल बा। ओस्टक स्थानिय स्तरम पाछ पर्लक वर्ग, समुदायहुकन हरेक किसिमक योजना निर्माण प्रकृया से लेक बजेट बनैना, निति बनैना ओ हर मेह्रिक कार्यक्रमम जन्तहक सहभागिता बह्नैना कामम नरुलाल चौधरीक प्रमुख भुमिका बाटिन्। ज्याकरण कारणले सुचना ओ सुशासनक क्षेत्रम बहुत मजा काम हुइल बा।

ओस्टक कोभिड १९ माहामारीक ब्यालामा नरुलाल चौधरीक अगुवाईम जन्तन् स्वास्थ्य उपचारक क्षेत्रसे लेक जागिर गुमैना, दैनिक ज्यालादारी कैख खैना मनैन्क लाग रोजगारी श्रृजना कैख उदारहणिय काम हुईल बा। ज्याकरण कारणसे असिन संक्रमण कालिन अवस्थाम फे कौनो नागरीक हुक्रम भुख मुअ निपैल। ओस्टक घोराही उपमहानगरपालिकाह खरके छानी मुक्त नगर बनैना उद्देश्यले हजारौं किसान हुकन टेनके पाता वितरण कैगिल ज्याकरण कारणसे घोराही उपमहानगर खर मुक्त नगरके रुपम विकास हुईल बा।

ओस्टक बालमेत्रिक क्षेत्रम घोराही उपमहानगरपालिका सबसे भारी ओ मजा काम कर्ल बा। कौनो कामम बालश्रम ओ शोषण हुई निहुईट कना उद्देश्यले कैगिलक अभियानसे नेपालक पहिला बालमैत्रि उपमहानगरके रुपम घोराही उपमहानगरपालिकाह घोषणा कैगिल बा। यी एकठो उदारहणिय काम हो घोराही उपमहानगरपालिकाक लाग।

ओस्टक थारु भाषाक क्षेत्रम नरुलाल चौधरीक अगुवाईम घोराही उपमहानगरम थारु भाषाह कामकाजक भाषा बनैना कैख नगरसभासे निर्णय हुइल बा। थारु भाषाम पह्रैना कैख थारु भाषाक पाठ्क्रम निर्माण हुइल बा। पाठ्यपुस्तक बनैना काम हुईटी रलक अवस्था बा। घोराही उपमहानगरक सरकारी दस्तावेज थारु भाषाम बनैना काम हुईटी रलक अवस्था बा कलसे थारु समुदायक उत्थान ओ भाषा, कला, संस्कृति सरक्षणक लाग ढिउर मेह्रिक काम, कार्यक्रम हुइल बा।

ओस्टक आदिवासि जनजाती, दलित, मधेशी, मुस्लिम समुदायक ओ पाछ पर्लक और समुदाय हुकन्हक उत्थान ओ विकासक लाग नरुलाल चौधरीक अगुवाईम ढेरन्हक काम हुईल बा। यी ढिउर मेह्रिक कामले सुखि नेपाली ओ समृद्ध नेपालक सपना पुरा कर्नाम घोराही उपमहानगरपालिकाक मेयर नरुलाल चौधरी कौनो फे हालतम चुकल निहुइट।

घोराही वासिहुक्र कठ, नरुलाल चौधरी ट सक्कुन्हक लोकप्रिय नेता हुइट, और जट गफ कैख दिन बिटैल हमार मेयर ट काम कैख फे डेखैल, नरुलाल जसिन और नेताहुक्र फे जन्म पर्ठा।

❖❖❖

!! सुचना !!

लैंगिक हिंसाके अन्त्य करी, सभ्य ओ सुसूचित समाजके निर्माण करी।

!! सुचना !!

जर्मलक, मुलक, भ्वाज, सम्बन्ध विच्छेद व बसाई सराइ जसिन व्यक्तिगत घटना घट्लक ३५ दिन भित्तर निःशुल्क रुपमा वडा कार्यालयम जाके दर्ता करी ओ कराइ